8

नया समाज बनाएँ

आओ, नया समाज बनाएँ।
इस धरती को स्वर्ग बनाएँ।
आओ, नया समाज बनाएँ।।

जाति–पाँति के बंधन तोड़ें
अपनेपन की कड़ियाँ जोड़ें,
इस धरती के हर मानव का
मानवता से नाता जोड़ें।
एक दूसरे के सुख–दुख में
मिलकर बैठें हाथ बटाएँ
आओ, नया समाज बनाएँ ।।

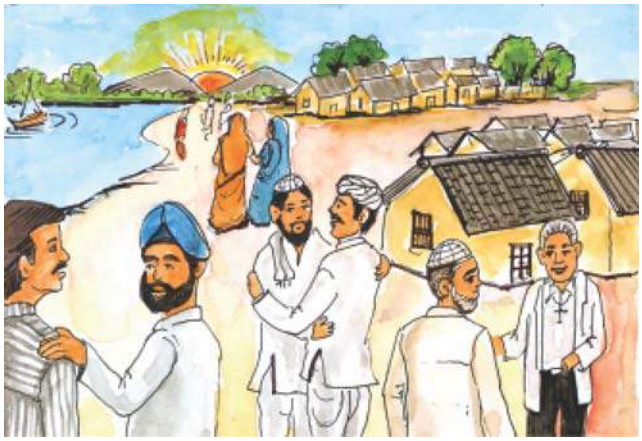

इस माटी का कण–कण चंदन
इसे करें हम शत–शत वंदन।
नई रोशनी की किरणें बन
आज सजा दें हर घर आँगन।

मिल–जुल कर आगे बढ़ने का
सबके मन में भाव जगाएँ ।
आओ, नया समाज बनाएँ ।।
श्रम को जीवन–मंत्र बनाएँ
ऊँच–नीच का भेद मिटाएँ
भारत माता के हम सपूत बन
नव जीवन की अलख जगाएँ।
धरा सभी की, गगन सभी का
यही प्रेम–संदेश सुनाएँ ।
आओ, नया समाज बनाएँ।।

शिक्षण संकेत :–

प्रस्तुत कविता के आधार पर ऐसे नए समाज के निर्माण का भाव अभीष्ट है, जिसमें "एक सबके लिए सब एक के लिए" जीने के भाव से प्रेरित हो। नए समाज को बनाने की आवश्यकता एवं दिशाएँ भी कविता में अन्तर्निहित हैं। शिक्षण में इन बातों को भी ध्यान में रखें।

अभ्यास–कार्य

शब्द–अर्थ

स्वर्ग – एक विश्वास जिसके अनुसार मृत्यु के बाद अच्छे कर्मों के फलस्वरूप मिलने वाला स्थान, जहाँ सब प्रकार के सुख मिलते हैं।

कड़ियाँ जोड़ना – मेल करना

हाथ बटाना – सहायता करना

अलख जगाना – नए विचारों का प्रसार करना

गगन – आकाश

धरा – धरती

उच्चारण के लिए

बंधन, वंदन, चंदन, मंत्र, संदेश, कड़ियाँ, श्रम, आँगन, स्वर्ग बनाएँ, तोडें,

सोचें और बताएँ

निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़े और इनके शब्दार्थ/भावार्थ को जानें

(अ) जाति–पाँति के बंधन तोड़ें
अपनेपन की कड़ियाँ जोड़ें।

(ब) मिलजुल कर आगे बढ़ने का
सबके मन में भाव जगाएँ।

(स) धरा सभी की, गगन सभी का
यही प्रेम–संदेश सुनाएँ।

लिखें

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें

(अ) इस धरती के ....., ... से ..... जोड़ें।

(ब) ..... की किरणें बन,
आज सजा दें ..... ।
(स) ..... को जीवन मंत्र .....,
ऊँच–नीच का ..... ।

2. भारत माँ के सपूत बन कर हम कौन–कौनसे काम करें ?
3. कविता के आधार पर "नया समाज" कैसा होगा ?
4. कौनसा संदेश सुनाने की बात कविता में कही गई है ?
5. हमें किसका भेद मिटाने की आवश्यकता है?
6. "नई रोशनी" से क्या तात्पर्य है ?
7. हमें एक–दूसरे के प्रति कैसा भाव रखना चाहिए ?

भाषा की बात

- कविता में अनुस्वार व अनुनासिक प्रयोग वाले शब्दों को छाँटकर लिखें।

अनुस्वार (ं)	अनुनासिक (ँ)

यह भी करें–

- कविता को मौखिक यादकर अपनी कक्षा में हाव–भाव के साथ सुनाएँ।
- अब तक पढ़ी कविताएँ व कहानियों के नामों को सूचीबद्ध करें।

कविताओं के नाम	कहानियों के नाम	पाठ का क्रम

- विभिन्न कविताओं का संकलन कर अपनी एक गीत डायरी बनाएँ और विद्यालय में आयोजित विभिन्न उत्सवों पर सुनाएँ।

- आप अपने शब्दों में लिखें और अपनी कक्षा में सुनाएँ।

  1. आप कैसे समाज के निर्माण की बात करेंगे ?
  2. आदर्श समाज के निर्माण में आपकी भूमिका क्या होनी चाहिए ?

परोपकार से बड़ा पुण्य नहीं, किसी को दुःखी करने से बड़ा पाप नहीं।